कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी (CAZRI), जोधपुर द्वारा दिनांक 14.1.2016 को आयोजित क्षेत्र दिवस (Field Day) में आफरी की भागीदारी

दिनांक 14.1.2016 को कृषि विज्ञान केन्द्र, काजरी (CAZRI), जोधपुर द्वारा पंचायत समिति बावड़ी के लवेरा कला ग्राम में नेशनल मिशन ऑन ऑयलसीड एंड ऑयल पाम (NMOOP: National Mission on Oilseeds & Oil Palm) के अन्तर्गत सरसों प्रदर्शन (Mustard Demonstration) पर क्षेत्र दिवस (Field Day) का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 300 से ज्यादा किसानों ने भाग लिया । इस आयोजन में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की तरफ से कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. एवं वैज्ञानिक-बी डॉ. बिलास सिंह ने भाग लिया । श्री उमाराम चौधरी ने इस अवसर पर अपने संभाषण में वृक्षों से होने वाले परोक्ष एवं अपरोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए फैलते प्रदूषण, बढ़ते धरती के तापमान (Global Warming), एवं पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में वृक्षों की महत्ता बतायी । श्री चौधरी ने इसी सन्दर्भ तथा गिरते जल स्तर के मद्देनजर कृषि वानिकी की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा उपस्थित कृषकों से कृषि वानिकी के अन्तर्गत वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का आह्वान किया । डॉ. बिलास सिंह ने अपने संभाषण में कृषि वानिकी के अन्तर्गत लगायी जा सकने वाली विभिन्न प्रजातियों का ब्यौरा देते हुए वृक्ष लगाने के फलस्वरूप मृदा का उपजाऊपन बढ़ने एवं कृषि वानिकी से होने वाले अन्य लाभों की जानकारी दी ।

इस अवसर पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों एवं तकनीकी को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया । संस्थान की प्रायौगिक पौधशाला में तैयार खेजड़ी (*Prosopis cinereria*), जाल (*Salvadora oleiodes*),

कुमट, (*Acacia senegal*), रोहिडा (*Tecomella undulata*), केर (*Capparis decidua*) शीशम (*Dalbergia sisoo*), अमलतास (*Cassia fistula*), चंदन (*Santalum album*), बेलपत्र (*Aegle marmelos*), नीम (*Azadirachta indica*) इत्यादि पौधों को रूट ट्रेनर में प्रदर्षित किया गया ।

इस अवसर पर संस्थान द्वारा जारी संस्थान एवं संस्थान की शोध गतिविधियां, शुष्क क्षेत्रों के लिये कृषि वानिकी मॉडल, जल संग्रहण एवं नमी संरक्षण, सूक्ष्म प्रवर्धन, (Micro Propagation) वृहत संवर्धन (Macro propagation) इत्यादि अनुसंधान उपलब्धियां, एवं विकसित तकनीक से संबंधित सूचना पुस्तिका तथा कृषि वानिकी के विविध लाभ, अच्छे बीजों का महत्व, चयन की विधि एवं एकत्रीकरण इत्यादि विषयों से संबंधित पर्चों (Folders) का वितरण भी किया गया।

विषम पारिस्थितिकी स्थलों के पुनर्स्थापन हेतु तकनीकियाँ
जलवायु परिवर्तन एवं कार्बन स्थिरीकरण
रोपणियों का प्रबंधन
जैव प्रौद्योगिकी एवं रोपण स्टॉक में सुधार
बीज तकनीक
शुष्क व अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों
लिए उपयुक्त फसल
प्रारूप।
सीपीटी चयन हेतु
स्क्रीनिंग, कायिक गुणन
बीजोद्यान एवं बीज उत्पादन
उत्तक संवर्द्धन, हरित गृह,
प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की
हाई टैक पौधशाला की स्थापना
शुष्क क्षेत्र की वृक्ष प्रजातियों